RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 51 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 26 मई 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

भारत-तिब्बत चीन सीमा को जोड़ने वाली सड़क का कार्य 2010 से रुका है, मल्ला जोहार से उठी आवाज

कार्यालय प्रतिनिधि

जोहार। सीमान्त क्षेत्र भारत-तिब्बत चीन सीमा क्षेत्र जो मोटर सड़क का निर्माण कार्य पिछले 2010 से कार्य प्रारम्भ हुआ था वह अभी2025 तक पूर्ण नहीं किया जा सका है। इस पूरे मामले पर मल्ला जोहार से आवाज उठी है कि शासन-प्रशासन सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस मामले को किस रूप में देख रहा है। मल्ला जोहार विकास समिति ने शासन-प्रशासन से इस प्रकरण पर गम्भीरता से मंथन करने को कहा है। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू का कहना है कि हम कहते-कहते थक चुके हैं। इस सड़क का निर्माण कार्य कब पूरा होगा यह माँ नन्दा देवी मर्तोली के ऊपर निर्भर है, उनकी कृपा होगी तो यह कार्य अवश्य पूर्ण होगा। कहा कि जिस प्रकार यह कार्य पिछले साल 83 आरसीसी बार्डर रोड आर्गेनाइजेशन दरकोट एस्कॉर्ट डिविजन इसके अतिरिक्त एबसी राठी कम्पनी के द्वारा किया जा रहा था परन्तु उसके पश्चात 1447 बीसीसी दरकोट और जिनका मुख्यालय पिथौरागढ़ टनकपुर में है कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई तब से इस सड़क का निर्माण कार्य समय रहते बजट स्वीकृति अभी तक नहीं की गई है। जिस कारण से इस सड़क का निर्माण कार्य पिछले 7 महीने से ऊपर होने को है रुका हुआ है। बताया जा रहा है कि श्रमिकों का भुगतान नहीं किया गया है।

श्रीराम सिंह धर्मशक्तू कहते हैं कि ऐसी महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य जो भारत-चीन सीमा इसके अतिरिक्त मिलम से दूंग पोस्ट से होकर दूंगा चमोली को जोड़ने हेतु भी स्वीकृत किया गया है इस प्रकार से हमारी सीमा के रक्षक भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के जवान आर्मी के जवान और सीमान्त क्षेत्र के विकास हेतु इस रोड का निर्माण समय से होना जरूरी है। आश्चर्य की बात है कि जो कार्य 2010 से शुरू हुआ वह आज तक

शेष पृष्ठ 3 पर

भारत के मीलपत्थर

राम के जीवन के संग-संग लिखी गयी थी वाल्मीकि रामायण

सूर्यकान्त बाली

हर बात पश्चिमी विद्वानों के कभी गले नहीं उतरी कि वाल्मीकि और राम सम कालीन हो सकते हैं और कि वाल्मीकि ने राम के जीवन पर आधारित अना रामायण प्रबन्ध काव्य राम के जीवनकाल में ही लिख दिया था। विन्टरनिट्स जैसे विद्वानों ने हमारी पूरी भारतीय परम्परा का मानो उपहास उड़ाते हुए लिख दिया कि महाभारत की रचना पहले हुई थी और रामयण बात में लिखी गयी। इसकी देखादेखी हमारे यहाँ भी कुछ पश्चिम भक्तों ने इस धारणा को मानना शुरू कर दिया था। पर जब खुद पश्चिमी भवनाओं के बची यह अजूबी धारणा पाँव नहीं टिका पाई तो फिर उनके भारतीय भक्तों ने भी इस पर सोचना छोड़ दिया था। वेबर जैसे विद्वानों ने तो हमारी पूरी परम्परा का मानो अपमान करते हुए कह दिया कि वाल्मीकि एक निहायत चालाक कवि थे। वे हुए तो काफी बाद में, पर उन्होंने रामयण लिखी इस चतुराई से कि वह राम का समकालीन काव्रू नजर आए।

मान लिया कि वाल्मीकि एक चालाक कवि थे और उन्होंने एक रिकार्ड चतुराई भरा काव्य लिख दिया। पर भारत के लोगों को यह मानने में भला क्या लाभ मिल रहा था कि जब राम ने सीता को निर्वासित कर दिया तो वह गंगा नदी के निकट तमसा नदी के किनारे बने वाल्मीकि के आश्रम में जाकर रहने लगी थीं? हम भारतीयों को भला यह झूड गढ़ने में क्या फायदा हो रहा था कि वाल्मीकि के आश्रम में पैदा होकर, पल-पुसकर बड़े हुए कुश और लव को वाल्मीकि ने अपनी रामकथा याद कराई? आखिर यह मानकर हमें दुनिया मं किस पर रौब गालिब करना था कि कुश और लव ने वाल्मीकि की रामकथा को राम के राज दरबार में अश्वमेघ यज्ञ के मौके पर जाकर सुनाया?

सारा भारत हजारों सालों से मानता है कि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और उन्होंने अपने प्रबन्धकाव्य रामयण की रचना राम के जीवनकाल में ही पूरी कर दी थी। भारतवासियों की मान्यता की इस अखण्ड परम्परा का समर्थन खुद वाल्मीकि रामयण से ही मिल जाता है। अब यह तर्क हम जैसे जिज्ञासुओं के गले उतरता ही नहीं कि महर्षि वाल्मीकि अपनी राम समकालीन को लेकर जो कुछ भी लिख रहे हैं, वह तो सरासर सन्देहास्पद है और वे आलोचक शत-प्रतिशत विश्वसनीय है जो वाल्मीकि जैसे महाकवि के कथन को शक के गड्ढे में डाल रहे हैं।

तो चलें वाल्मीकि रामायण की ओर और पढ़ लें वे प्रमाण जो उनकी रामायण का`राम के सँगसँग लिखा गया साबित करते हैं। रामायण के सात काण्ज हैं- बालकाण्ड, अयोध्या काण्ड, अरण्य काण्ड, किष्किन्धा काण्ड, सुन्दर काण्ड, युद्धकाण्ड और उत्तरकाण्ड। बालकाण्ड के पहले चार सर्ग वाल्मीकि के ही एक प्रख्यात शिष्य भरद्वाज के लिखे (प्रतीत होते) हैं और वाल्मीकि रामायण की वाल्मीकि कृत शुरुआत वास्तव में बाल काण्ड के पाँचवे सर्ग से होती है। चौथा सर्ग पढ़ने से ही मालूम पड़ जाता है कि भरद्वाज ने ये चार सर्ग सातों काण्डों वाली रामायण के पूरा हो जाने के बाद ऐसी उपयोगी भूमिका के रूप में जोड़े थे जो पूरे रामायण के कथानक से मेल खाते हैं।

वाल्मीकि ने रामायण की रचना दो हिस्सों में की। पहली बात जब कवि रामकथा लिखने बैठे तो राम का वनवास खत्म हो चुका था और रावणवध के बाद उनका राज्याभिषेक हो चुका था। इस दौरान महाकवि ने बालकाण्ड से लेकर युद्धकाण्ड तक छह काण्ड लिखे। पर बाद में जब सीता राम निर्वासित होकर अपनी गर्भावस्था में ही वाल्मीकि के आश्रम में आ गयीं और वहाँ उन्होंने दो पुत्रों को जन्म दिया तो महाकवि को लगा कि रामचरित का यह युद्ध-उत्तर चरण भी अति महत्व का है जिसे काव्य बद्ध किया जाना चाहिए। तब उन्होंने उत्तरकाण्ड लिखा कुश तथा लव के थोड़ा बड़े होते ही उन्हें अपनी सारी रामायण याद कराई जो उन्होंने राम के दरबार में एक वर्ष तक चले अश्वमेध यज्ञ के अन्त में सुनाई। यह सब कैसे मालूम पड़ा? आइए, खुद रामायण के भीतर बिखरे प्रमाण देख लिए जाएँ।

भरद्वाज द्वारा जोड़े गये पहले चार सर्गों में से पहले सर्ग में वाल्मीकि का

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

बायोमीट्रिक से भयभीत क्यों?

उत्तराखण्ड के सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमीट्रिक करने पर भयभीत होने की जरूरत नहीं है। जब नौकरी है तो उसका समय भी निर्धारित होगा और शर्तें भी तय होंगी ही। ऐसे में कर्मचारी नेता और कतिपय की ओर से कहा जा रहा है कि पहले सिस्टम मजबूत कर लिया जाए फिर बायोमीट्रिक जैसी बात हो। शिक्षक वर्ग की ओर से इस प्रकार का सबसे ज्यादा हो रहा है जबकि सुगम में रहने के लिये हमेशा विचलित रहने वाले सब सुविधाएं चाहते हैं। उच्चशिक्षा में तक देखा गया है कि नियमानुसार जितनी दूरी के दायरे तक शिक्षक-कर्मचारी को रहने का नियम है, उसके विपरीत दूसरे शहरों से आने वाले समय की परवाह नहीं करते हैं।

यही सब कारण हैं कि मुख्य सचिव आनन्दबर्द्धन ने बायोमीट्रिक उपस्थिति को अनिवार्य करने का आदेश निकाला। सचिव विनोद कुमार की ओर से सभी प्रमुख सचिव, विशेष सचिव, सचिव, मण्डलायुक्त, विभागाध्यक्ष, जिलाधिकारियों को इस बावत आदेश जारी कर दिया। जिसमें कहा गया है कि सभी अधिकारी-कर्मचारी समय से बायोमीट्रिक उपस्थिति लगाएंगे। प्रतिदिन नामित अधिकारी सुबह 10.15 बजे बायोमीट्रिक उपस्थिति विवरण की समीक्षा करते हुए कार्यालय में देरी से आने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। सचिवालय कर्मचारियों अधिकारियों के लिये यह समय 9.45 बजे का है। आदेश के अनुसार महीने में एक दिन देरी से आने वाले को मौखिक चेतावनी, दो दिन देरी से आने वाले को लिखित चेतावनी दी जाएगी। तीन दिन देरी से आने वालों का एक दिन का आकस्मिक अकाश काटा जाएगा। चार दिन ा इससे अधिक बार देरी से कार्यालय पहुंचने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अब सवाल यह है कि आंखिर मुख्य सचिव को इस प्रकार का आदेश क्यों निकालना पड़ा होगा? इस सच्चाई को सब जानते हैं कि सरकारी नौकरी में लगने का मतलब आराम-तलब होना मान लिया गया है। ऐसे में उनकी संख्या भी कम नहीं है जो बेहद लापरवाह हो चुके हैं। उनकी संख्या भी कम नहीं है जो अपने वेतन के अलावा जिस जगह वह हैं उसे हर तरह से निचोड़ लेना चाहते हैं। जिस कार्य के लिये नौकरी, जिसके कारण से रोटी है, जिससे सम्मान है, उसका हमेशा ध्याना चाहिये। देखने में आता है कि समय से कार्यालय न पहुँचने वालों के कारण पूरा सिस्टम गड़बड़ा जाता है। भीड़ भरी इस दुनिया में हर कोई जल्दी में है और यह भी सत्य है कि अधिकारी-कर्मचारी के निजी जीवन में भी कभी दिक्कत-परेशानी हो सकती है लेकिन इसका यह मतलब तो नहीं है हम बदमाशी को अपनी आदतों में ओढ़ लें और कार्यालय समय पर न जाएं, सरकारी धनराशि का अपव्यय करें, सरकारी सम्पत्ति का दुरुपयोग करें, अपने पद की गरिमा के अनुरूप कार्य न करते हुए मनमानी करें। पूरी व्यवस्था सुधार के लिये बायोमीट्रिक उपस्थिति के अलावा भी निगरानी जरूरी है। जो जितने बड़े पद पर है उसकी निगरानी उतनी ज्यादा हो। क्या कभी ऐसा हो सकेगा?

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

अनीता आनन्द कनाडा की विदेश मंत्री

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी द्वारा घोषित मंत्रिमण्डल में भारतीय कनाडाई अनीता आनन्द और मनिन्दर सिद्धू को महत्वपूर्ण विभाग दिए गए हैं। आनन्द को विदेश मंत्री व सिद्धू को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री बनाया गया।

छद्म समूहों का समर्थन ईरान बन्द करे

रियान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बन्द करने के लिए उससे तत्काल समझौता करना चाहते हैं लेकिन तेहरान को पूरे क्षेत्र में छद्म समूहों के समर्थन देना बन्द करना होगा।

एयर होस्टेज से छेड़छाड़ में जेल

सिंगापुर। पर्थ से सिंगापुर जा रहे सिंगापुर एयरलाइन्स के विमान में एयर होस्टेज से छेड़छाड़ के आरोप में 20 वर्षीय भारतीय को तीन सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई है।

बंगलादेश को विश्वबैंक से मिले 27 करोड़

ढाका। विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मण्डल ने बांग्लादेश को बाढ़ से उबारने और भविष्य की आपदाओं से निपटने की क्षमता बढ़ाने के लिए 27 करोड़ डॉलर से अधिक की सहायता की मंजूरी दी है।

अरब में हज यात्रियों की सुविधाओं का निरीक्षण

दुबई। सऊदी अरब में भारत के राजदूत सुहेल खान ने भारतीय हज यात्रियों की सुगम यात्रा के लिए बनाए गए सुविधा केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस साल के लिए भारत का कुल हज कोटा 1.75 लाख यात्रियों का है। 0

फसक

दाज्यू, सन्त-महन्त के ठौर ठिकाने बहुत कठिन ठैरे

दुष्कर्मियों के लिये बालिग नाबालिग सब एक ही होते हैं बल

दाज्यू, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए हरहर नाथ ने विवाह करने से मना कर दिया है। कह रहा था- 'चम्पावत में डीम सैप ने ड्रोन उड़ाने से मना किया है। ऐसे में हल्दी, मेहन्दी, नाच गाना पार्टी की फोटोग्राफी का मजा नहीं आएगा।' दाज्यू, सबके अपने-अपने टोटके ठैरे। आप ही बताओ हरहर नाथ को क्या कहें? पूरे ग्रामवासी हल्दी का टैन्ट लगाने लग गये हैं आजकल। फोटोग्राफी का नया धन्धा शुरू हो चुका है। लगड़-पूरी की जगह मटर-पनीर, दालमखनी ने ले ली है। शगुनआंखर की जगह डीजे में जोर जोर से धम्मड़-धम्मड़ बचता है। गाने भी 'तुस्सी-मुस्सी-त्वांडा-सांडे-मैंनू' पता नहीं क्या बजने लगे हैं।

दाज्यू, छोटे राज्यों के वित्तीय प्रदर्शन मामले में उत्तराखण्ड दूसरे नम्बर पर है बल। धामी ज्यू कह रहे हैं- 'यह सरकार की नीतियों का परिणाम है।' दाज्यू, राज्य चाहे किसी नम्बर पर हो लेकर सन्त महन्त के ठौर ठिकाने बहुत कठिन ठैरे। न जाने कौन कब किस जगह कुण्डली मार कर बैठ जाए? हरिद्वार के चण्डी देवी मन्दिर के महन्त रोहित गिरी को छेड़खानी के मामले में पंजाब पुलिस ने पकड़ लिया। महन्त पर लुधियाना की एक महिला ने गम्भीर आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था।

दाज्यू, दुष्कर्मियों के लिये बालिग नाबालिग सब एक ही होते हैं बल। हर दिन इधर-उधर से दुष्कर्म का हल्ला मच रहा है। समझ नहीं आ रहा है कि कलजुग का अन्त कब होगा। नानकमत्ता के गाँव में अकेली नाबालिग के साथ उसी गाँव के युवक ने तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। आरोपी पुलिस ने पकड़ लिया है बल। दाज्यू, सन्त-महन्त तो अपनी कर रहे हैं लेकिन भक्तजन भी अपनी ही अपनी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर माँ पूर्णागिरी मेलें जाम और फायरिंग की फर्जी वीडियो डालने वाला आरोपी बाराबंकी यूपी से पकड़ लिया गया है।

हल्द्वानी के डहरिया में जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण ने आवासीय भवन में स्वीकृत नक्शे के मानकों का उल्लंघन कर चल रहा है रामपाल का आश्रम सील कर दिया। दाज्यू, पुराना गाना है तो- 'जिधर जाइएगा हमें पाइएगा' कहाँ कहाँ ढूंढोगे? चारों ओर भगवान हैं। अपनी रोटी और अपनी ढकने का इन्तजमा अपने हिसाब से जानवर भी करता है। आग में जो झुलस गया समझो वही मरा।

दाज्यू, शासन ने कमर कस ली है कि अब सरकारी बाबू समय से कार्यालय पहुंचें। इसके लिये सचिव ने आदेश जारी कर दिया है। ऐसे में भग्गी काटने वालों का क्या होगा? उधर राजकीय स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति को एआई चैटबॉल से लगाने की प्रक्रिया चल रही है बल। दाज्यू, मोबाइल से उपस्थिति का पहले विरोध हुआ था और अब ये.....। एक-दूसरे को टापते रहना भी घड़ी की सुई का इन्तजार ठैरा। दाज्यू, गजबजाट बहुत चल रही है। पटरी पार वाले कालेज में काकभुसण्डी की कथा शुरू करने की सोच रहे थे क्योंकि वहाँ भ्रष्टाचार का नाला भर चुका है। इस बीच पता चला कि रुड़की के एक डिग्री कालेज में प्रोफेसर द्वारा मौखिक साक्षात्कार परीक्षा के दौरान बन्द कमरे में छात्राओं को बुलाकर छेड़छाड़ की। पकड़ में आने के बाद कार्रवाई हो रही है बल। दाज्यू, चम्पावत लोनिवि में एक अधिकारी की सेवा पुस्तिका की गायब है और ईई ने इसकी खोज के लिये अधिकारी-कर्मचारी को आदेश दे डाला कि घर से दो-दो मुट्ठी चावल लेकर आएं। दाज्यू, देवभूमि में चावल गणना आश्चर्य की बात नहीं है। लोनिवि के आला अधिकारी ईई के आदेश के बाद स्पष्टीकरण मांग चुके हैं। भगवाना जाने अभी किधर क्या होने वाला है। माधो सिंह स्थानान्तरण सुगम में करवाने को लेकर चक्कर काट रहा है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

बोली-भाषा

हमारी मातृभाषा (दुदबोली) के जीवन्त धरने की कोशिश करें

उत्तराखण्ड प्रदेश व जन सामान्य लोगों की मातृभाषा कुमाऊँ मण्डल में कुमाउंनी तथा गढ़वाल मण्डल में गढ़वाली भाषा खासतौर पर बुलाई जानी। जोकि यांकी समृद्ध भाषा छन। लेकिन हमारी पहाड़ी इलक बटी जो लोग आपण रोजगार व कारोबार के सिलसिले में परदेश न्हें गईं और वहीं बस गईं, लो भारत देश क कुण कुण में तथा यां तक कि कई लोग विदेशों में जसी अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों में न्हें गईं। लेकिन वो लोग वां रमी गईं उं वां अब अपुण के वाकं रौनी समझ नईं, और अपन कुमाउंनी-गढ़वाली भाषा के अपनी बोलचाल में गुलाण भुलि गईं या कुमाउंनी गढ़वाली बुलाण में शर्मा नईं। जबकि हमारे देश व अन्य प्रदेशों क वासि जसि- गुजरात वाल गुजराती, पंजाब वाल पंजाबी, महाराष्ट्र वाल मराठी, बंगाल वाल बंगाली भाषा अपनी बोलचाल में अपनी मातृभाषा के बुलाणी और कोई संकोच नी करनी, लेकिन कुमाउंनी गढ़वाली अपनी भाषा बुलाण में बहुत संकोच करनी और भूलने जानी। याँ तक कि नई पीढ़ी क नानतिन अब पहाड़ी भाषा में कतई नी बुलानी कौंनी कि हमें पहाड़ी भाषा समझ में नहीं आती। परदेश में बसी नई पीढ़ी वाल नानतिन त बिल्कुल भुलि गईं। और अब योई पहाड़ में रौनेर आघिल पीढ़ी क नानतिन ले पहाड़ी नी बुलाँण जबकि अपनी मातृभाषा (दुदबोली) अपन मुल्क क पछाण छु। हमारी कुमाउंनी भाषा यदुक समृद्ध भाषा छू ये कि संख्या बहुत ज्यादा छू और अब कुमाउंनी गढ़वाली लोगों थीं अनुरोध छू कि सब लोग आपण घर में , अपन नानतिन तथा अपन जान पहचाण लोगों थें कुमाउंनी गढ़वाली भाषा में बुलाण शुरू करें। यो हमार भाषा हमार पहचान छू। यसिके इथें भूलते जुल तो एक दिन कुमाउंनी गढ़वाली भाषा अलोप है जाली। येके कतई अलोप नी हून चैण। यो वास्ता सभी लोग आपस में कुमाउंनी गढ़वाली भाषा में बुलाई करो। इ जिली आज बटी संकल्प करि लियौ।

-नन्दाबल्लभ पाण्डे
वरिष्ठ नागरिक, ज्योलीकोट (नैनीताल)

मेरे नाम का दुरुपयोग न करें

नैनीताल। बालिका के दुष्कर्म मामले में पीड़िता की मां ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीएन मीणा को पत्र सौंपकर पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि वह पुलिस कार्रवाई से सन्तुष्ट हैं। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से उनके नाम का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई है। कहा कि उनकी इजाजत के बगैर बिना कोई उनके नाम का इस्तेमाल न करे। उन्हें न्यायालय पर भरोसा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जयन्ती

स्वतंत्रता सेनानी भगवतानन्द जयन्ती

धर्मशक्तू कल्याण समिति का आयोजन

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। जोहार के स्वतंत्रता सेनानी स्व. भवान सिंह धर्मशक्तू (भगवतानन्द सरस्वती) की जयन्ती जोहार मिलन केन्द्र में मनाई गई। धर्मक्तू कल्याण समिति के इस आयोजन में स्व.भवान सिंह जी की पौत्री श्रीमती रुक्मणी रावत सहित गणमान्य जन उपस्थित थे।

देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू के संचालन में हुए कार्यक्रम में सभी ने महान सेनानी व भक्तिमार्ग के उपासक भावान सिंह के जन्म दिवस पर उनका स्मरण करते हुए चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। हरीश सिंह धर्मशक्तू ने भगवतानन्द सरस्वती के जीवन व कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपने कष्टों को हमेशा मुस्कान के साथ झेलने वाले भगवतानन्द की स्मृतियां समाज याद रखेगा। डॉ.पी.एस.

स्व.भवान सिंह की पौत्री रुक्मणी मौजूद

मर्तोलिया ने धर्मशक्तू कल्याण समिति के इस आयोजन को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि अपने स्वतंत्रता सेनानियों, अपने बुजुर्गों की यादों को सहेजने के लिये यह आयोजन सफल है। इससे हर किसी को प्रेरित होकर कार्य करने चाहिये। भूपेन्द्र सिंह पांगती ने स्वतंत्रता सेनानी

अपने पुरुखों की यादें सहेजना कर्तव्य

भवान सिंह जी के जवनवृत्त से नई पीढ़ी को सीख लेनी चाहिये। नवीन टोलिया ने कहा कि जोहार के इन महान सेनानियों का स्मरण करते हुए हल्द्वानी में वृहद यादगार आयोजन होना चाहिये। भगवता नन्द जी की पौत्री रुक्मणी रावत ने अपने बचपन की स्मृतियों सहित कठिनाई भरे पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि वह तो अच्छा है कि आज दादा जी का लिखा हुआ पुस्तक रूप में है जिसे देख हम समझ सकते हैं। कहा कि लिखने पढ़ने की यह प्रवृत्ति समाज में होनी चाहिये ताकि नई पीढ़ी अपने बुजुर्गों और अपनी संस्कृति को समझ सकें। इस अवसर पर डी.एस.पांगती, गंगा सिंह धर्मशक्तू, हर्षमोहन सिंह वृजवाल, प्रेम सिंह जंगपांगी, प्रहलाद सिंह, खड्क सिंह सहित तमाम लोग मौजूद थे।

साहित्य विमर्श

प्रथम जोहार शौका साहित्य विमर्श

जोहार केन्द्रीय समिति का आयोजन

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। जोहार केन्द्रीय समिति द्वारा प्रथम बार जोहार शौका साहित्य विमर्श का आयोजन किया गया जो काव्यपाठ, परम्परागत गीत-भाग और विमर्श के साथ भावी पीढ़ी को सन्देश देने सफल रहा है। समिति के अध्यक्ष प्रधान आयकर आयुक्त नरेन्द्र सिंह जंगपांगी ने आयोजन की रूपरेखा व उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि समाज में सौहार्द-चिन्तन-मनन और जागरुकता के लिये इस प्रकार के आयोजन जरूरी हैं। कार्यक्रम में हरीश सिंह धर्मशक्तू की कहानी पुस्तक 'चंदा' और भूपेन्द्र सिंह वृजवाल की पुस्तक 'राजुला की प्रेम कहानी' का विमोचन किया गया।

जोहार मिलन केन्द्र में पहली बार हुए इस प्रकार के आयोजन को लेकर जबर्दस्त उत्साह देखा गया। बीजवक्ता के रूप में तल्ला दुम्मर से पधारे शिक्षक व लेखक जगदीश सिंह वृजवाल ने कहा कि समाज की जड़ों को सींचने के लिये सबसे पहले साहित्य से जोड़ना चाहिये। अपनी संस्कृति और तहजीब के लिये रचनाधर्म जरूरी होता है। युवाओं का रुझान इस ओर होना चाहिये। ग्वालदम से पधारी शिक्षका व लेकर श्रीमती मंजू

काव्यपाठ व गीतों ने बांधी सभा

पांगती ने साहित्य की धारा को समाज के लिये बीज रूप में बताया और कहा कि सबको जोड़ने के लिये यह सहज उपाय है। काव्यपाठ सत्र में जगदीश वृजवाल की 'मैं शौक', मंजू पांगती की 'मेरे पुरुखों का गाँव', हरीश धर्मशक्तू की 'दन-कालीन' कविता बेहद सराही गईं। गजेन्द्र सिंह पांगती ने नवीन पांगती की लघु रचना बिम्बों के बाद उनकी नई कविता को प्रस्तुत किया। भूपेन्द्र वृजवाल, रमेश जंगपांगी, प्रमोद पांगती, संदीप रावत, नाथ सिंह जंगपांगी सहित अन्य ने काव्य पाठ व परम्परागत गीतों की प्रस्तुति की। संचालन तब्बू मर्तोलिया द्वारा किया गया

साहित्य विमर्श में हरीश धर्मशक्तू ने इस प्रकार के आयोजन को पुर्नजागरण व दस्तावेजीकरण के दिशा में महत्वपूर्ण

जगदीश वृजवाल व मंजू पांगती बीजवक्ता

कदम बताया। कहा कि केवल चर्चा न होकर इसे व्यवहार में उतारना होगा। रमेश सिंह जंगपांगी ने गीतकार-रचनाकार स्व.नेत्र सिंह ल्वाल के जीवनवृत्त सहित उनकी रचनाओं को संरक्षित करने की बात कही क्योंकि वह जोहार के पुराने चर्चित रचनाकारों और संगीत के जानकार रहे हैं। नाथ सिंह जंगपांगी ने प्रचलित शगुन गीत की वानगी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर चन्द्र सिंह मर्तोलिया, धाम सिंह मर्तोलिया, हरेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, हयात सिंह जंगपांगी, श्रीमती आनन्दी पांगती, श्रीमती भागीरथी मर्तोलिया, धीरेन्द्र सिंह पांगती, देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, गोविन्द सिंह जंगपांगी, भूपाल सिंह मर्तोलिया, हरीश चन्द्र सिंह धर्मशक्तू, ईश्वर सिंह पांगती, हेम सिंह मर्तोलिया, संदीप सिंह रावत, भूपेन्द्र सिंह पंचपाल, पूजा पंचपाल, कैलाश धर्मशक्तू, रक्षिता धर्मशक्तू, हेम सिंह मर्तोलिया, प्रयाग सिंह रावत, नरेन्द्र सिंह टोलिया, यतेन्द्र सिंह पांगती, तब्बू मर्तोलिया, नन्दन सिंह जंगपांगी, प्रेम सिंह जंगपांगी, जसवन्त सिंह जंगपांगी, प्रवीण सिंह मपवाल, प्रद्यमन सिंह रावत, डॉ. प्रहलाद सिंह मर्तोलिया, अशोक मर्तोलिया, जगत सिंह मर्तोलिया आदि उपस्थित थे।

शानदार पहल

नवदम्पत्ति लेंगे महाकालली दरबार में सात फेरे

गंगोलीहाट। आर्थिक रूप से कमजोर दूल्हा दुल्हन का विवाह मात्र 1100 रुपये में सम्पन्न कराने की शानदार पहल हुई है। जो इतना खर्च करने में भी असमर्थ है उका विवाह 501 रुपये में सम्पन्न होगा। विवाह के सीजन में इस प्रकार के आयोजन हो चुके हैं। महाकाली दरबार में वैशाख व ज्येष्ठ माह में दर्जनों विवाह सम्पन्न हुए हैं। इसमें दोनों पक्षों के सीमित लोगों की उपस्थिति में ब्राह्मणों द्वारा विवाह सम्पन्न कराया जाता ह। मन्दिर समिति के अध्यक्ष हरगोविन्द रावल ने कहा है कि इस प्रकार के आयोजन में फिजूलखर्ची बचती है और समिति की ओर से जनता को मदद हो रही है।

ज्योतिष की बातें- 230

29 मई 2025 को राहु स्पष्ट मान से कुम्भ राशि में प्रवेश करेगा। राहु जब-जब किसी अन्य ग्रह से युति करेगा तब-तब वह उस ग्रह के फल भी प्रदान करेगा अन्यथा अकेला रहने पर अपने ही फल स्वतन्त्र रूप से जातकों को प्रदान करता है। उपचय भावों में राहु अत्यन्त शुभफल प्रदान करता है। अत: अगले डेढ़ वर्ष धनु, कन्या, मेष राशि के जातकों को राहु अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य सभी राशियों को यत्किंचत कष्ट की अनुभूति होगी।

अगले सप्ताह केतु का गोचरफल प्रस्तुत किया जाएगा।

31 मई 2025 को शुक्र उच्चराशि से निकलकर समराशि मेष में प्रवेश करेगा अत: अगले 29 दिन सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में मेष, वृषभ, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर, कुम्भ व मीन राशि के जातकों को शुभ फल प्रदान करेगा।

वटसावित्री व्रत- यह व्रत ज्येष्ठ कृष्णपक्ष चतुर्दशी विद्धा अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। तदनुसार सोमवार 26 मई 2025 को सुहागिन महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत सम्पन्न करेंगी।

शनि जयन्ती- ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या प्रात:काल व्यापिनी तिथि को शनि जयन्ती मनाई जाती है। अत: यह पर्व मंगलवार 27 मई 2025 को किया जाएगा। जिनकी जन्मकुण्डली में शनि अशुभ है, शनि की महादशा आदि चल रही है उन्हें यह पर्व अवश्य मनाना चाहिए और श्री शन्यष्टोत्तर शतनामस्तोत्रम् आदि का पाठ करना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 120

सरकार कौन चलाता है!

काफी पहले साधारण नमक बेचने पर प्रतिबन्ध लगाया गया था, केवल आयोडीन युक्त नमक ही बेचा जा सकता था। उस प्रतिबन्ध को सन् 2000 में हटा लिया गया था लेकिन पूंजीपतियों के दबाव में साधारण नमक बेचने पर प्रतिबन्ध फिर से लगा दिया गया।

स्कूलों में बच्चों का बस्ता हल्का करने की बात की गई, लेकिन हल्का नहीं हो सका। बिना पुस्तकों के ही बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाने की बात की गई, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। प्राथमिक विद्यालय में भी पाँच दस हजार रुपए की पुस्तकें अभी भी खरीदनी पड़ती हैं। शिक्षा माफियाओं के दबाव में सरकार कोई सुधार नहीं कर सकी।

20-20 वर्ष तक प्रचलित दवाइयों के नुकसान गिनाकर उनपर प्रतिबन्ध लगाया जाता है फिर उनके स्थान पर नई दवाईयाँ महंगे दामों पर बेची जाती है। ड्रग्स माफियाओं के दबाव में सरकार चिकित्सा व्यवस्था में जनहित में कोइ भी सुधार नहीं कर पाती है।

अभी मोबाइल के सस्ते टैरिफ प्लान लाने की बात की गई थी, जितना डाटा उपयोग करें उतना खर्च करना पड़े, लेकिन सरकार ऐसा भी पूंजीपतियों के दबाव में नहीं कर सकी।

उद्योगपतियों की जब कोई चीज बाजार में बिकना कम हो जाती है तो उसको खरीदने के लिए जनता को बाध्य किया जाता है। विधायिका में तरह-तरह के कानून बनवाए जाते हैं। जैसे 15 साल पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबन्ध, टू-व्हीलर पर पिछली सवारी को भी हैल्मेट आवश्यक, वैक्सीन आवश्यक, फिर बूस्टर डोज भी आदि आदि ।

इस प्रकार जनता को समझ लेना चाहिए कि वास्तव में सरकार ड्रग्स माफिया, शिक्षा माफिया और उद्योगपति ही चलते हैं।

-ओंकार नाथ कोष्टा

भारत-तिब्बत.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

पूरा नहीं हो पाया है। करोड़ों रुपये की मशीन सड़क पर पड़ी हुई हैं और बोरिडयार में जो पुल का निर्माण होना है दोनों तरफ नदी के आर-पार अबेटमेंट बना हुआ है और पुल का सामान किस प्रकार से जंग लग कर खराब हो रहा है। इसको देखने वाला बार्डर आर्गेनाइजेशन के अधिकारी केन्द्र सरकार प्रदेश सरकार के अधिकारी, मंत्री, भारत सरकार के गृहमंत्री, प्रधान मंत्री, सीमा पुलिस बल के डायरेक्टर जनरल साहब और अन्य इससे सम्बन्धित विभाग के अधिकारी लोग शायद ही देखने के लिए आए होंगे यह किस प्रकार से सरकारी सामग्री मशीन जंग खा रही है। इसके अतिरिक्त अन्य जगहों पर भी इसी प्रकार से सामग्री मिलम से नीचे की ओर सड़क के किनारे रखे गए हैं।

मल्ला जोहार विकास समिति ने सवाल उठाते हुए कहा है कि आखिर इस सीमान्त सड़क की अनदेखी क्यों की जा रही है और समय रहते केन्द्र सरकार क्यों धन स्वीकृत नहीं कर रहा है। इस मामले को शासन-प्रशासन ने देखना चाहिये। सीमान्त क्षेत्र के विकास की बात खाली भाषणों से नहीं होगी, इसके लिये मौके पर कार्य होना चाहिये। हमारे जवानों की सुविधा और सीमान्त वासियों के लिये हर प्रकार से साधन जोड़ने चाहिये। क्षेत्रवासी द्वितीय रक्षा पंक्ति के रूप में हमेशा जुटे रहते हैं। मल्ला जोहार विकास समिति ने सीमान्त की अन्य समस्याओं को लेकर भी सरकार का दरवाजा खटखटाया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

कैंसर संस्थान विस्तार को वनभूमि मांगी

हल्द्वानी। स्वामी राम कैंसर संस्थान को राज्य कैंसर संस्थान के तौर पर विकसित किया जा रहा है। पहले चरण का काम शुरू हो गया है और दूसरे चरण के निर्माण के लिए ढाई हेक्टेयर वनभूमि चाहिये। विस्तारीकरण के लये प्रस्ताव बनाकर वन विभाग को दिया गया है।

स्टोन क्रशरों का रिकार्ड तलब

नैनीताल। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेन्द्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खण्डपीठ ने ऊधमसिंह नगर जिले की कोसी नदी में अवैध खनन से संचालित स्टोन क्रशरों के मामले पर सुनवाई करते हुए जिला खनन अधिकारी को निर्देश दिये हैं कि मौका मुआयना करें। पता करें कि कितना खनिज जमा है, कितने स्टोन क्रशर हैं, कितना तेल महीने में इनके संचालन में लगता है। सारे रिकॉर्ड कोर्ट में तलब करने को कहा है।

बरसाती पानी निकासी की मांग

बनबसा। नेपाल में निर्माणाधीन सूखा बन्दरगाह को जोड़ने के को भारतीय सीमा तक बनने वाली सड़क के लिए गुदमी में मिट्टी भरान से ग्रामीणों में रोष है। उनका कहना है कि बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो पिछले वर्ष की तरह इस बार भी बाढ़ से नुकसान होगा। इसके लिये पानी निकासी की मांग जोर से उठाई जाने लगी है।

आवंलाघाट में रामगंगा पुल बनाने की मांग

पिथौरागढ़। रामगंगा नदी में आवंलाघाट में पुल बनाने की मांग को लेकर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जगत सिंह खाती ने लोनिवि के अधीक्षण अभियन्ता को ज्ञापन दिया है। कहा कि इस पुल के निर्माण के बाद पिथौरागढ़ से गंगोलीहाट की दूरी कम होगी और पर्यटन विकास होगा।

समग्र विकास को मांगे सौ करोड़

रुद्रपुर। शहरी विकास सचिव नितीश झा ने वीसी के द्वारा प्रदेश भर के निकायों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस दौरान माहापौर विकास शर्मा ने रुद्रपुर की कई समस्याएं उठाते हुए समग्र विकास को शासन से सौ करोड़ का बजट दिलाने का अनुरोध किया।

क्वारब डेंजर जोन को लेकर गम्भीर हैं

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-हल्द्वानी एनएच के क्वारब के पास दरकती पहाड़ी को लेकर केन्द्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा ने कहा कि सरकार इसके लिये गम्भीर है। अधिकारियों की बैठक लेते हुए मंत्री ने कहा कि यह केवल एक निर्माण कार्य नहीं बल्कि जनसुरक्षा और क्षेत्रीय सम्पर्क का प्रश्न है। जिसे लेकर सरकार और वे स्वयं संकल्पित हैं।

रामनगर कांग्रेस कार्यालय को लेकर मची धुरमुण्ड

कांग्रेसियों ने मचाया हंगामा, बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की मांग, पूर्व विधायक रणजीत रावत पर आरोप और व्यापारी नीरज अग्रवाल ने लिया ऑफिस पर कब्जा

रामनगर(नैनीताल)। रानीखेत रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय को लेकर धुरमुण्ड मची। दरअसल कार्यालय में कब्जा लेने और इसे खाली कराने को लेकर दो पक्ष हैं। ऐसे में पूर्व विधायक रणजीत रावत के पक्ष में कांग्रेस पार्टी का उतरना और दूसरी ओर कार्यालय पर कब्जे का आरोप लगाने वाले पक्ष की ओर से हाक लगाई गई। पूरा प्रकरण इस कदर बवाल बना कि कोई इसे प्रतिष्ठा बता रहा है तो कोई चाहता है कांग्रेस दफ्तर हटे। भारी हंगामे की शुरुआत में ही पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। कुल जमा मामले में पूर्व विधायक रणजीत रावत की खूब फजीहत हुई है। उनके दबदबे के कारण पार्टी के बड़े-छोटे नेता मैदान पर उतर गये लेकिन पुलिस और प्रशासन की सूझबूझ और नियमसंगत देखते हुए व्यापारी ने अपने कार्यालय पर कब्जा लिया।

दरअसल जब रामनगर में कांग्रेस कार्यालय को लेकर हंगामा मचना शुरू हुआ और नेता रणजीत रावत के नेतृत्व में प्रदर्शन होने लगा तभी लगने लगा था कि मामला आड़ा है। इसके बाद कांग्रेस कार्यालय विवाद मामले में व्यापारी नीरज अग्रवाल ने पत्रकार वार्ता करते हुए पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत पर कार्यालय हड़पने का आरोप लगाया। कहा कि वर्ष 2017 में उन्होंने पूर्व विधायक को रानीखेत रोड स्थित अपना गोदाम दो माह के लिए चुनाव कार्यालय बनाने के लिये दिया था। दो माह बाद समय बीतता गया, अब पूर्व विधायक उनके कार्यालय को हड़पना चाहते हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में भी विवाद हुआ जिसके बाद कार्यालय को कुछ माह में खाली कराने पर सहमति बनी थी। उन्होंने कहा कि इस कार्यालय के सभी कागजात उनके पास हैं। उसे देखते हुए रिजॉर्ट में कार्य करने वाले कर्मचारियों ने कार्यालय पर कब्जा लिया है। श्री अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि पूर्व विधायक कब्जा छोड़ने के बजाय उनके परिजनों व उन्हें धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। आरोप लगाया कि उनके पुत्र को धमकाया और पुलिस से सुरक्षा देने की मांग की।

उधर रानीखेत रोड स्थित कार्यालय में रणजीत सिंह रावत के नेतृत्व में जबर्दस्त प्रदर्शन हुआ। धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हटाना चाहा तो वे भड़क गये, ऐसे में लाठीचार्ज किया गया। कार्यालय पर स्वामित्व को लेकर नीरज अग्रवाल और रावत अपना-अपना ताला जड़ना चाहते हैं। विवाद बीच शिकायत हुई और पुलिस ने कांग्रेसियों का ताला तोड़ दिया। इसके बाद से हंगामा बढ़ता गया और प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा भी रात धरना स्थल पहुँच गये। अन्य विधायक और नेता भी रामनगर आ डटे। उनका कहना है कि कांग्रेस कार्यालय में कब्जे की कार्यवाही असंवैधानिक है।

चूंकि कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन बड़ा रूप ले चुका था तो इसे सही भी ठहराना रहा होगा। ऐसे में उन्होंने कहा जो लोग कार्यालय में है। उनका सत्यापन किया जाए। पुलिस ने सत्यापन किया तो पता चला सभी लोग नीरज अग्रवाल के रिजार्ट में काम करने वाले श्रमिक हैं। इसके बाद पूर्व विधायक रणजीत ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने उन्हें धोखे में रखा। दूसरी ओर व्यापारी ने कार्यालय पर कब्जा लिया और कहा वह इसमें अपना कार्यालय बनाएंगे। इस पूरे झगड़े में इतना साफ दिखाई दे रहा है जगह नीरज अग्रवाल की थी जिसमें कांग्रेस ने अपना कार्यालय बनाया। ऐसे में धुरमण्ड क्यों? तभी तो पुलिस-प्रशासन को आना पड़ा।

-----एक-दूसरे पर बरसते नेता और रामनगर का सच------

गुण्डई बर्दाश्त नहीं होगी : रणजीत

पूर्व विधायक रणजीत रावत ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि रामनगर में गुण्डई बर्दाश्त नहीं होगी। छोटा राजन, पीपी गैंग के लोगों ने किस प्रकार का उत्पात किया है वह सब लोग जातने हैं।

सब जानते हैं कौन बदमाश : नेगी

पूर्व ब्लाक प्रमुख संजय नेगी ने पत्रकार वार्ता करते हुए रणजीत सिंह रावत पर आरोप लगाए कि वह दादागिरी की राजनीति करते रहे हैं। जिन हरीश रावत ने उन्हें अवसर दिये उन्हें तक इनके द्वारा धोखा दिया गया।

माहौल खराब न किया जाए : अकरम

नगर पालिका परिषद के चैयरमैन और जनप्रिय नेता हाजी मोहम्मद अकरम ने कहा कि कि क्षेत्र का माहौल खराब न किया जाए। उन्होंने कहा कि अपने निजी मामले पर कांग्रेस पार्टी को लाना रणजीत रावत ने अच्छा नहीं किया।

कोटमन्या-पांखू सड़क में खतरा ही खतरा

बेरीनाग। कोटमन्या-पांखू सड़क पर लोहा थल के पास एक कार के गिर जाने से चालक और महिला गम्भीर रूप से घायल हो गये जबकि सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। मामला तो वाहन के अनियन्त्रित होकर सौ फीट गहरी खाई में गिर जाने का बताया गया है लेकिन सच तो यह है कि इस सडक पर पहले से ही खतरा बना हुआ है। दो माह में यहाँ तीन हादसे हो चुके हैं। इस सड़क को लेकर कई बार क्षेत्रवासियों ने आन्दोलन किया है। कभी सड़क सुधार को तो कभी डामरीकरण को लेकर कई वर्षों से आवाज उठती रही है। कोटगाड़ी मन्दिर की मान्यता को देखते हुए यहाँ दूर-दराज से लोगों का लगातार आना-जाना है। ऐसे में इस सड़क को बेहतर और चौड़ा किया जाना बहुत जरूरी है।

पैमाइश, अतिक्रमण हटाने का नोटिस

बाजपुर। उच्च न्यायालय से जारी आदेशों के क्रम में गठित राजस्व, सिंचाई, चकबन्दी एवं लोनिवि की संयुक्त टीम ने स्थलीय निरीक्षण कर ग्राम मुड़िया कला स्थित एक धार्मिक स्थल के बराबर से गुजरने वाले करीब 18 फीट चौड़े सरकारी रास्ते की पैमाइश कर निशान लगाने के बाद अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी कर दिया है।

बताया गया है कि न्यायालय के आदेशों के क्रम में जिले की समस्त तहसीलों में विभिन्न विभागों की परगना स्तर पर कमेटियां गठित करके सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के आदेश दिए गए हैं। इसी क्रम में मुड़ियाकला में खसरा संख्या 89/1 क्षेत्रफल 0.032 हेक्टेयर भूमि की विधिवत पैमाइश कर भूमि एवं रास्ते की निशानदेही की गई।

कैंची धाम के जाम से निपटने की तैयारी

नैनीताल। भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर कैंची धाम के जाम से निपटने की तैयारी होगी। अभी तक कहा-सुना जा रहा था लेकिन मुख्य सचिव अब मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिये हैं। ऐसे में सड़क चौड़ीकरण भी होगा ताकि भविष्य के भयानक जाम की स्थिति को अभी से नियन्त्रण में रखा जाए। मुख्य सचिव ने स्थानीय लोगों के लिए वैकल्पिक मार्ग सुदृढ़ करने और पार्किंग स्थल चिन्हित करने को भी कहा है।

कैंची बाईपास वन भूमि हस्तांतरण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैंची धाम के आसपास नेशनल हाईवे 109 पर वाहनों के अत्यधिक दबाव और जाम के दृष्टिगत सुगम व सुरक्षित यातायात हेतु वर्ष 2023 में बाईपास मोटर मार्ग निर्माण की घोषणा की थी। अब केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कैंची धाम में वन भूमि हस्तान्तरण की सहमति प्रदान कर दी है। इसमें अब जल्द काम शुरू होगा।

सभासदों ने मांगा सीएम से समय

टनकपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगमन पर नगर पालिका परिषद के सभासदों ने उनसे मिलने के लिये समय मांगा ताकि वह पालिका के हालातों व क्षेत्र की समस्याओं और अपने दर्द से अवगत करा सके। कहा कि पालिका बोर्ड गठित हुए तीन माह से अधिक समय हो चुका है लेकिन विकास कार्य ठप हैं। उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। सीएम को प्रेषित पत्र में सभासद हसीब अहमद, सविता बिष्ट, चर्चित शर्मा, सब्या बाल्मीकि, वर्षा शर्मा, बबीता वर्मा, दिनेश कुमार, वकील अंसारी के हस्ताक्षर हैं।

बनबसा नगर पंचायत में भी रोष

बनबसा। नगर पंचायत में विकास कार्य ठप होने का आरोप लगाते हुए सभासद मनोज कुमार ने अपनी ही पंचायत के विरोध में अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर रोष जताया है। कहा कि पिछले तीन महीनों में उनके वार्ड में कोई भी कार्य नहीं हुआ है। नगर पंचायत द्वारा हर बार वित्तीय अभाव का हवाला दिया जता है लेकिन मौजूदा संसाधनों का उपयोग नहीं किया गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

राम के जीवन.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

नारद सम्वाद है जिसमें कवि नारद से पूछते हैं कि वर्तमान काल में हुआ (नोट कीजिए वर्तमान काल में-को न्वस्मिन् साम्प्रतं लोके श्लोक में साम्प्रतम् अर्थात आजकल) कोई ऐसा महान पात्र बताएँ जिस पर मैं अपना काव्य लिख सकूं तो नारद ने उन्हें राम के बारे में और राज्याभिषेक त उनके पूरे जीवन चरित के बारे में बताया। अर्थात काव्य लिखने की पूरी प्रक्रिया तब शुरू हुई जब अभी सीता का निर्वासन नहीं हुआ था और वे राम के साथ सिंहासन पर अभिषिक्त हो चुकी थीं। दूसरे सर्ग में भरद्वाज ने प्रसिद्ध कौंचवध प्रसंग लिखा है। तीसरे वर्ग में भरद्वाज ने सारी रामायण के सातों काण्डों का विषय विन्यास किया है तो चौथे सर्ग में भरद्वाज ने वे सब बातें कही हैं जो हमारे आप के काम की हैं। इस सर्ग के पहले श्लोक में भरद्वाज कहते हैं-प्राप्त राज्यस्य रामस्य वाल्मीकिर्भगवान ऋषिः, चकार चरित कृत्स्नं विचित्रपदमर्थवान्। अर्थात जब राम को राज्य वापस मिल गया था तब भगवान वाल्मीकि ऋषि ने विलक्षण शब्दार्थ वाला यह पूरा रामचरित लिखा। दूसरे श्लोक में शिष्य ने कहा है- चतुर्विंशत् सहस्रानां श्लोकानामुत्तमान् ऋषिः, तथा सर्गशतान् पंजषट् काण्डानि तथोत्तरम्। अर्थात ऋषि वाल्मीकि ने पहले छह काण्ड और फिर उत्तरकाण्ड लिखकर करीब 5 सौ सर्गों में चौबीस हजार श्लोकों की रचना की।

ये तो प्रमाण वे हैं जो वाल्मीकि शिष्य भरद्वाज ने प्रसंगवश दिए हैं। अब जरा वाल्मीकि के अपने काव्य में मिल जाने वाले प्रमाण देख लिए जाएँ। संस्कृति साहित्य में ग्रन्थ के अन्त में फलश्रुति लिखने की परम्परा है। संस्कृत नाटकों में यह भरतकाव्य के रूप में आती हैं तो काव्यों में किसी अन्य रूप में पाठक के प्रति कवि द्वारा शुभारशंसा व्यक्त की जाती है। वाल्मीकि ने अपने महाकाव्य रामायण में दो बार फलश्रुति लिखी है। एक बार युद्धकाण्ड के अन्त में और दूसरी बार उत्तरकाण्ड के अन्त में। जाहिर है कि वाल्मीकि अपनी ओर से युद्धकाण्ड के बाद रामायण को समाप्त कर दिया था। पर उसके बाद घटनाएं जब ठीक उन्हीं के आश्रम में घटने लगी तो उन्होंने उत्तरकाण्ड में उन सभी को काव्यबद्ध कर देने की सोची और इस सातवें काण्ड के अन्त में एक बार फिर फलश्रुति लिखी।

इसमें भी मजेदार बात यह जानना है कि वाल्मीकि ने कुश-लव को अपनी रामकथा कब याद करानी शुरू की। सवाल को इस तरह से रख सकते हैं कि राम के राजदरबार में उन्होंने कहाँ तक की कथा सुनाई। चलिए फिर से रामायण के शुरुआत में पहुंच जाते हैं। बालकाण्ड के पांचवे सर्ग में जहाँ वाल्मीकि ने अपनी रामकथा शुरू की है, चौथे श्लोक में कुश-लव कहते हैं कि अब हम दोनों समस्त रामकथा का गान करेंगे- तदिदं वर्तयिष्याव: सर्व निखिलमादित: धर्मकामार्थसहितं श्रोतव्यमनसूयता।' जाहिद है कि यह श्लोक वाल्मीकि ने कुश-लव की सुविधा के लिए उत्तरकाण्ड की रचना के दौरान अपने काव्य के शुरू में जोड़ा होगा जिसे दोनों भाई यथावत गा रहे थे। उत्तरकाण्ड की रचना के अध्ययन से साफ जाहिर होता है कि दोनों भाईयों में इस प्रबन्ध काव्य के उस समयावधि तक के घटना चक्र को सुनाया जब राम का अश्वमेध यज्ञ सफलतापूर्वक (सर्ग 92) सम्पन्न हो गया था क्योंकि उसके बाद कुश लव की भूमिका समाप्त हो जाती है और उत्तरकाण्ड के 93 सर्ग से वाल्मीकि अपनी ओर से कुछ कहना शुरू कर देते हैं जिसमें बीच-बीच में रिक्तिपूर्ति के रूप में कुछ श्लोक उनके उसी प्रमुख शिष्य भरद्वाज द्वारा भी लिख दिए गए प्रतीत होते हैं। यह सिलसिला उन्नीस सर्गों तक चलता है जिसके अन्त में फिर से फलश्रुति है।

वाल्मीकि की रामायण राम के जीवन के सँगसँग अपनी काव्ययात्रा पूरी करती गयी, यह साबित करने के लिए क्या और भी कोई प्रमाण चाहिए? पर इसमें एक बात जोड़े बिना हमारा पूरा विन्यास अधूरा रहने वाला है। आप सम्पूर्ण वाल्मीकि रामायण पढ़ जाइए तो स्पष्ट नज आता है कि गर्भवती सीता को राम जैसे पति द्वारा निकाल दिए जाने की ऐतिहासिक दुर्घटना से वाल्मीकि हिल गये थे। कहाँ तो वे एक महान नायक राम का चरित वर्णन करते अघा नहीं रहे थे और कहाँ उन्हीं के इस नायक ने प्रजा की ढीलीढाली, अप्रमाणिक और गैरजिम्मेदार तरीके से कही गयी बात का दण्ड अपनी सीता जैसी पत्नी को ही दे दिया? इसलिए उत्तरकाण्ड के वाल्मीकि वे वाल्मीकि नहीं नजर आते जो इससे पहले के छह काण्डों में हैं। क्रौंचवध की दुर्घटना ने कवि को एक तरह से प्रभावित किया तो सीता निर्वासन की दुर्घटना ने उन्हें दूसरी तरह से प्रभावित किया। पहली घटना ने उनकी काव्य प्रतिभा को नयी ऊर्जा दे दी तो दूसरी घटना ने उनकी काव्य प्रतिभा को करीब-करीब ऊर्जाविहीन कर दिया, कवि को थका दिया। इसलिए उनके द्वारा दो हिस्सों में लिखी गयी रामायण पढ़ने से ही मालूम पड़ जाता है कि उत्तरकाण्ड के कवि की लेखनी में वह तेज, वह ऊर्जा नहीं है, जो पहले छह काण्डों के कवि में हमें मिलती है। भाषा का पहलू लें। उत्तरकाण्ड की काव्य भाषा पहले के छह काण्डों जैसी नहीं है। बालकाण्ड से उत्तरकाण्ड तक वाल्मीकि की भाषा में जो सरलता और प्रवाह है, उत्तरकाण्ड में वैसा प्रवाह नहीं है। प्रवाह में कई बार व्यवधान, औपचारिकता नजर आती है। यही बात शैली की है।

उत्तरकाण्ड जिस शैली में लिखा गया ह, वह पहले के छह काण्डों में कथा का निबन्ध प्रवाह है। अगर कहीं दूसरे प्रसंग हैं तो वे अत्यन्त गौण रूप में है। इसके विपरीत उत्तरकाण्ड में अवान्तर कथाएं प्रमुख हो गयी हैं और राम कथा गौण हो जाती हे। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि उत्तरकाण्ड के एक सौ ग्यारह सर्गों में रामकथा, जो रामायण प्रबन्धकाव्य की मुख्य कथा है, केवल पैंतीस-सैंतीस सर्गों में ही और शेष सर्गों में महाभारत में और खासकर पुराणकारों द्वारा अपना ली गयी। इतना ही नहीं, खुद राम का चरितगान करने में भी कवि को उतना आनन्द नहीं आ रहा जितना पिछले छह काण्डों में आ रहा था। सारी रामायण राम को विशाल हृदय, उदारचेता, मानवता वादी और समदर्शी चित्रित करती है। पर उत्तरकाण्ड मं वही राम भीषण औपचारिकता और कठोरता की हद तक मर्यादावान बन जाते हैं, एक मायने में कर्मकाण्डी बन जाते हैं जो उनके मूल स्वभाव के विपरीत है। राम के चरित का अंकन कर रहे छह काण्डों के वाल्मीकि सातवें काण्ड में एकदम नया रूप धारण कर लेते हैं। सीमा निवासन करने वाले राम के प्रति उनकी आस्था का ग्राफ काफी नीचे चला गया लगता है। क्या यह सम्भव है कि जो वाल्मीकि अयोध्या काण्ड में राम को निषादराज से, जो जातिप्रथा के हिसाब से कोई ऊँची जाति के नहीं हैं, गले मिलकर मित्रता करते दिखाते हैं, अरण्यकाण्ड में जो राम भीलनी शबरी को मोक्ष प्रदान का कारण बनते हैं, किष्किन्धाकाण्ड में वानरजाति से मित्रता करते हैं, सीता की पुनः प्राप्ति के लिए भारत के इतिहास का दूसरा विकट संग्राम लड़कर जीतते हैं, वही राम शम्बूक ऋषि का इसलिए वध करते हैं वे शूद्र होकर तप कर रहे थे? सीता को इसलिए निकाल दें क्योंकि किसी ऐरे-गैरे ने कुछ भी बोल दिया? वाल्मीकि को ये राम वैसे नहीं लगे जैसे महानायक के बारे में उन्होंने नारद से सम्वाद किया था। इसलिए उत्तरकाण्ड में वाल्मीकि का कवि हृदय टूट चुका लगता है और शायद इसलिए जब सीता पृथ्वी प्रवेश कर गयीं तो राम आपे से बाहर हो गए। पर वाल्मीकि को राम से कोई सहानुभूति नहीं होती। बस वे उन्हें इतना कहलवाते हैं कि रामायण के उत्तरकाण्ड के शेषांश भी अब उन्हें सुन लेना चाहिए। जिन महर्षि ने अपने महाकाव्य को राम को उन्हीं के बेटों कुश लव के मुँह से सुनवाया और उन्हें बताया तक नहीं कि उन्हीं का चरित्र सुनाने वाले ये दोनों बालक कौन हैं, इससे बढ़कर अपनी नाराजगी भला कोई कवि कैसे अपने चरित्र नायक से कह सकता है? पर वाल्मीकि ने राम को इस हद तक अपने काव्य में बाँध दिया था कि वे उन्हें प्रस्तुत भी करते गए और हाथोंहाथ, जब जरूरत पड़ी तो दण्डित भी करते गये।

(साभार- नवभारत टाइम्स)

माणा के केशवप्रयाग में पुष्कर कुम्भ

चमोली। सीमान्त के माणा गांव स्थित केशव प्रयाग में 12 वर्षों बाद पुष्कर कुम्भ का आयोजन आरम्भ किया गया है। बदरीनाथ धाम के साथ ही माणा गांव में भी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों की आवाजाही बढ़ चुकी है। मान्यता है कि जब 12 वर्षों में वृहस्पति ग्रह मिथुन राशि में प्रवेश करता है तो माणा गांव स्थित अलकनन्दा और सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित केशवप्रयाग में पुष्कर कुम्भ का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में मुख्य रूप से दक्षिण भारत के वैष्णव मतावलम्बी प्रतिभाग करते हैं।

छात्रावास में दबंगों का हमला, मारपीट

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर के खोल्टा स्थित कूर्मांचल छात्रावास में करीब दस दबंगों ने घुसकर हमला कर दिया और छात्रों के साथ मारपीट की। बताया गया है कि धारदार हथियार और हैलमेट से दबंगों ने हमला किया। पीड़ित की ओर से मामला दर्ज है। बताया है कि बचाव के लिये आये अन्य छात्रों को भी गालीगलौच करते हुए पीटा गया।

छात्रावास में आखिर ऐसी नौबत क्यों आ गई, इसकी जाँच हो रही है। फिलहाल यह तो दिखाई दे रहा है कि शान्त पर्वतीय क्षेत्र भी नशा, दादागिरी व अन्य प्रकार के फसाद बढ़ते जा रहे हैं। अल्मोड़ा के अलावा अन्य जगहों पर भी इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक के लिये कड़े कदम उठाये जाने चाहिये।

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न. 8958525979, 9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सुलग गया हनेरा

गंगोलीहाट में बाइपास का विरोध

गंगोलीहाट। एनएच में गंगोलीहाट में बाइपास सड़क की सुगबुगाहट से हनेरा क्षेत्र सुलग चुका है और ग्रामीण विरोध में खड़े हैं। उनका कहना है कि सड़क के सर्वे में उनको विश्वास में नहीं लिया गया है। जबकि विधायक फकीर राम का कहना है कि सीएचसी की सड़क की बदहाली की जानकारी पर इसे ठीक करने का प्रस्ताव जिला प्लान में रखा था। बजट नहीं होने से मामला आगे नहीं बढ़ सका। अब इस सड़क को पालिका के बजट से बनाया जायेगा। सड़क के सुधारीकरण को प्राथमिकता से जल्द काम शुरू करायेंगे।

विगत दिवस एनएच के अधिकारियों ने सार्वजनिक परामर्श के तहत यहाँ पहुँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि बाइपास के निर्माण से हनेरा ग्राम के अधिकतर परिवार भूमिहीन हो जायेंगे। कहा कि पूर्व में कंसल्टेंट ने जो सर्वे किया था उसमें ग्रामीणों को विश्वास में नहीं लिया गया है। इस बाइपास का बनना ग्रामीणों को उजाड़ना भर है। बाइपास का विरोध करने के लिये सड़क पर उतरे ग्रामीणों में मोहन बोरा, राजेश बोरा, दीपक सिंह, शेर सिंह, पुष्पा बोरा, विमला देवी, पिंकी बोरा, मीना देवी, कालवती देवी, गोपुली देवी, मीना देवी आदि थे।

जिलाधिकारी के निर्देश

एयरपोर्ट क्षेत्र में आ रहे भवनों को ध्वस्त करें

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने पन्तनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण क्षेत्र में आ रहे कार्यालय भवनों को शीघ्र ध्वस्त करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने थाना, चिकित्सालय, विद्यालय को भी शीघ्र शिफ्ट करने को कहा है। डीएम ने जीवी पन्त विश्वविद्यालय की बायोटेक लैब के विस्थापन की कार्रवाई अभी तक न होने पर नाराजगी जताई।

जिला सभागार में आयोजित बैठक में सम्बन्धित अधिकारियों से बातचीज करते हुए डीएम ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण को लेकर शीघ्र भारत सरकार की टीम आ रही है। उन्होंने इसके विस्तारीकरण की जद में आ रहे कार्यालयों को विस्थापित करते हुए शीघ्र ध्वस्तीकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि शिफ्ट करने के लिये भवन चिन्हित कर लिया गया है जिसे कर दिया जायेगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पन्तनगर थाना शीघ्र शिफ्ट कर लिया जायेगा। मुख्य शिक्षा अधिकारी ने बताया कि विद्यालय अभी चल रहा है। 25 मई से अवकाश है उसके बाद तुरन्त शिफ्ट कर लिया जायेगा। टीडीसी व पन्तनगर विवि के भवनों को खाली कर टेण्डर कर लिये गये हैं। इसके ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू होने वाली है। एसडीएम को लैब निरीक्षण कर हटाने को कहा।

पिघलता हिमालय के बढ़ते कदमों के साथ-

श्रीमती मथुरा पांगती

(स्व.जगत सिंह पांगती)

'शक्ति कुंज' जोहार नगर

हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

आर.एस.टोलिया

गंगोत्री सदन,

देवेन्द्रपुरी, फेज-2

मन्दिर मार्ग, बड़ी मुखानी,

हल्द्वानी

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

रुक्मणी रावत

आकाश इन्क्लेब,

बिठौरिया नं. 1

लालडांट रोड, हल्द्वानी

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती

9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)